Roll No. ..... Total Printed Pages - 5

F-3362

B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2022

HINDI LITERATURE

(OLD COURSE)

Paper First

जनपदीय भाषा-साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

नोटः - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये- **21**

(i) भजन करो रे भाई रे, अइसन तन पायके।
नहिं रहे लंकापति रावन, नहिं रहे दुर्योधन राई से।
मात पिता सुत ठाढ़े भाइ बंद, आयो जमराज पकर लै जाई रे।
लाल खंभ पर देता ताड़ना, बिन सतगुरु को होत साई रे।
धरमदास के अरज गोसांई, नाम कबीर कहौ गोहराई रे।

अथवा

''बिन आदर के पहुना,
बिन आदर घर जाय।
गोड़ धोय परछी में बइठै
सूरा बराबर खाय।।''

(ii) ''दशहरा परब अभी मनके माने जाथय पर आज पूरा देस के जम्मों मनखे येला राष्ट्रीय परब मानके मनाथय। कोनों नवदुर्गा के कारन, कोनों वीरपूजा के कारन, व्यापारी अपन व्यापार के कारन, अउ कलको झन रमायण के पाठ करके जन-जागरन कराथय।''

अथवा

तंय उठथस सूरज उथे, सुसताथस होथे साम रे।
रात घलो हो जाये, जब लेथस बने अराम रे।।
जड़न पानी ल तँय छूथस, वो गंगाजल हो जाथे रे।
जउन लकड़ी ल तँय धरथस, तुलारी-हल हो जाथे रे।।
जउन बीना ल तँय छूथस, हो जाथे सुघ्घर पेड़ रे।
जउन रसदा ले रेंगथस बन जाथे वोहर मेड़ रे।।

(iii) चैतू भूख म
बैसाखू घाम म
जेठू इज्जत म
अउ पुसऊ जाड़ म

जांगर चलात-चलात
अकड़ के मर जाथे।
विधाता के एहू
एक किसिम के नियाव आय
अपन भगत सो बालि लेके
या उनला संसार के दुख
ले उबारे के।

अथवा

दिन दुकाल ला हाँस के सहिथे, छत्तीसगढ़ के भुंइया हर।
महतारी मन गर्रा-धूँका, अंचरा मां गठिया लेथे।।
जम्मों साथ चुरौना बोरंव, एक साथ के खातिर मैं।
एक दिसा के उड़न परेवा, ठींया ला अमरा लेथे।।

पूर्वी हिन्दी की बोलियों का विकास एवं उनकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए

2. ''धर्मदास के पदों पर कबीर, वाणी का प्रभाव है।'' इस कथन के प्रकाश में धर्मदास के पदों का मूल्यांकन कीजिए। **12**

अथवा

विनय कुमार पाठक के साहित्यिक अवदान पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

3. मुकुंद कौशल के छत्तीसगढ़ी गज़लों के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

कहावत एवं लोकोक्ति की परिभाषा देते हुए सामाजिक जीवन में उनके महत्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर अति संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। **15**

(1) लोकनाट्य परंपरा और रामचंद्र देशमुख
(2) छत्तीसगढ़ी का गद्य-साहित्य
(3) छत्तीसगढ़ी दानलीला का कथानक
(4) सत्यभाषा आडिल का रचना संसार
(5) कपिल नाथ कश्यप की काव्यकला

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये (कोई पंद्रह) **15**

(1) जंउरिहा का हिंदी अर्थ लिखिए।
(2) इन प्रत्यय लगाकर छत्तीसगढ़ी के दो शब्द लिखिए।
(3) 'अलकरहा' का हिन्दी अर्थ लिखिए।
(4) प्रसिद्ध पंडवानी गायिका का नाम लिखिए
(5) 'छत्तीसगढ़' शब्द का प्रयोग किस साहित्यिक रचना में

सर्वप्रथम हुआ है?

(6) धर्मदास के गुरु कौन थे?

(7) छत्तीसगढ़ी-साहित्य का भारतेन्दु किसे कहा जाता है?

(8) 'जम्मों' शब्द का एकवचन लिखिए।

(9) 'कमचिल' के लिए मानक हिंदी में कौन-सा शब्द है।

(10) 'कारी' का स्क्रिप्ट किसने लिखा?

(11) 'सोनपान' क्या है?

(12) 'सरग ले डोला आइस' किसकी रचना है?

(13) 'राजीव प्रेम पियूष' किसकी रचना है?

(14) 'हरबोलवा' शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है?

(15) छत्तीसगढ़ राज्य भाषा आयोग के अध्यक्ष का नाम लिखिए।

(16) 'कोटना' शब्द का हिंदी रूप लिखिए।

(17) 'गोंठ' किसकी रचना है?

(18) 'छत्तीसगढ़ी में मूल स्वर कितने हैं?

(19) छत्तीसगढ़ी के दो कहानीकारों के नाम लिखिए।

(20) छत्तीसगढ़ी के दो अव्यय शब्द लिखिए।